(ग) 31 मार्च, 1994 की स्थिति के अनुसार, सरकारी क्षेत्र के सभी बैंकों (स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के सिवाय) में विभिन्न संवर्गों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व निम्नानुसार था :—

संवर्ग	कुल संख्या	महिला कर्मचारियों की संख्या	महिला कर्मचारियों की प्रतिशतता
अधिकारी	237719	11010	4.63
लिपिक	447170	87067	19.47
अधीनस्थ स्टाफ	176777	7340	4.15
सफाई कर्मचारी (अंशकालिक सफाई कर्मचारियों सहित)	30050	9985	33.23

31-3-1994 की स्थिति के अनुसार, स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र में, सभी ग्रेडों में 8001 कर्मचारियों में से महिला कर्मचारियों की संख्या 716 (8.95%) थी।

जाली शेयर प्रमाण-पत्रों का प्रचलन

218. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला :**

चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने जाली शेयर प्रमाण-पत्रों के प्रचलन में बढ़ोत्तरी के संबंध में कोई मूल्यांकन किया है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई कार्यवाही नहीं की है, और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री (एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) और (ख) देश में जाली शेयर प्रमाणपत्रों के परिचालन की सीमा के बारे में कोई मूल्यांकन करना संभव नहीं है।

(ग) सरकार और स्टॉक एक्सचेंजों जैसे अन्य संबंधित अभिकरण जाली शेयर प्रमाणपत्रों के परिचालन पर नियंत्रण रखने के लिए निरन्तर सतर्कता बरत रहे हैं।

(घ) ऊपर (ग) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

सरकारी क्षेत्र के बैंकों को हो रहा घाटा

219. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला : क्या वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकारी क्षेत्र के बैंकों को किन-किन कारणों से घाटा हो रहा है ;

(ख) क्या इन कारणों को दूर किया जा सकता है ;

(ग) यदि हां, तो इस घाटे को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाये गये हैं ;

(घ) क्या इस क्षेत्र के कर्मचारियों की लापरवाही और उनके कदाचार के कारण भी उक्त घाटा हो रहा है ; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की दलील और उसकी प्रतिक्रिया क्या है ?